पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) और (ख) वर्ष 1991-92 के लिए तेल पादन के संशोधित लक्ष्य तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष के लिए लक्ष्य को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Measures to increase coal production

1020. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether Government propose to take measures to increase coal production so as to save nearly Rs. 1000 crores being spent on import of coal; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. YAMAGOUDA): (a) and (b) Hon'ble Member is presumably referring to imports of coking coal by steel plants. The present level of production of metallurgical grade coking coal in Coal India Ltd. is about 20 m.t. per annum which is supplied to steel plants after washing. According to steel plants they are importing to coking coal to meet the gap between demand and indigenous availability as well as to improve the quality by blending with low as imported coal.

Steps have been taken to augment supplies of coking coal to steel plants with a view to reduce the imports. Following measures have been taken to increase the availability of coking coal to steel plants:

(1) Production of raw coking coal is being stepped up in progressive manner.

(2) Capacity utilisation of the washeries is being improved.

(3) Blendable coal supplies have been stepped up.

(4) Other possible sources for enhancing blendable coal supplies are being identified in consultation with the users.

(5) Assured sources of power supplies are being arranged for uninterrupted running of washeries.

खराब कोयला-संयोजन से राजस्थान राज्य विद्युत मंडल को हुआ घाटा

1021. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 27 अगस्त, 1991 के "फाइनेंशियल एक्सप्रैस" में "फाल्टी कोल लिंकेज पुट आर०एस०ई०बी० एट 60 करोड एन्युअल लॉस" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस आशय के समाचार प्राप्त हुए हैं कि अपर्याप्त मात्रा में और घटिया किस्म के कोयले की पूर्ति के कारण कोटा स्थित ताप विद्युत केंद्रों को प्रति वर्ष भारी घाटा हो रहा है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार को इस संबंध में कुछ पत्र प्राप्त हुए हैं जिनमें इन परियोजनाओं को हुए घाटे का उल्लेख किया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो उन पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और क्या सरकार ने भविष्य में इस परियोजना को विनिर्दिष्ट गुणवत्ता के कोयले की पर्याप्त मात्रा में पूर्ति करने के लिए उचित प्रबंध किए हैं और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौड़ा) : (क) जी हां

(ख) और (ग) राजस्थान राज्य विद्युत बोर्ड का कोटा तापीय विद्युत गृह, नार्दन कोलफील्डस लि० (एन०सी०एल) की सिंगरोली कोलियरीज से, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लि० (एस०ई०सी०एल०) की कोरिया-रीवा कोलफील्ड्स से तथा भारत कोकिंग कोल लि० के झरिया कोयला क्षेत्रों से कोयला प्राप्त करता है। राजस्थान राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त सूचना के अनुसार कोटा तापीय विद्युत गृह न केवल भा०को०लि० से अपर्याप्त मात्रा में तथा कोयले की खराब गुणवत्ता में प्राप्त होने के कारण विद्युत उत्पादन में हानि हुई, बल्कि भारत कोकिंग कोल लि० से कोयले की लम्बी लोड (दूरी) की आपूर्ति के कारण रेलवे के माल भाड़ा प्रभार पर भी अधिकतम व्यय किया गया।

(घ) तापीय विद्युत गृह को कोयले का संयोजन, स्थाई संयोजन समिति (अल्पावधि) द्वारा निर्धारित किया जाता है। जुलाई,सितम्बर, 1991 की अवधि के लिए उपरोक्त दर्शायी गई 3 कोयला कंपनियों से कोटा तापीय विद्युत गृह को 2 लाख टन प्रति माह का संयोजन निर्धारित किया गया। नार्दन कोलफील्डस लिमि से इस तापीय विद्युत गृह को कोयले की आपूर्ति अधिक मात्रा में नहीं की जा सकी चूंकि नार्दन कोलफील्ड्स लि० से अतिरिक्त कोयले की आपूर्ति पश्चिमी क्षेत्र को करनी पड़ी, जोकि सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० में हो रहे कोयले के कम उत्पादन से प्रभावित है। अतः कोटा तापीय विद्युत गृह की आवश्यकताओं के एक भाग को भा०को०को० लि० के झरिया कोयला क्षेत्रों से पूरा करना पड़ा।

विद्युत गृहों की कोयले की आपूर्ति पर नियमित रूप से निगरानी रखी जाती है। कोटा तापीय विद्युत गृह से हाल ही में प्राप्त एक अनुरोध पर कोयला मंत्रालय ने हाल ही में, तदर्थ आ पर नार्दन कोलफील्ड्स लि० से सितम्बर, 1991 की तिमाही की के लिए एक लाख टन प्रति माह के रिक्त कोयला के संयोजन की स्व दी है।

Use of Helicopter Instead of Airlines Flight by the Minist

1022. SHRI PRAMOD MAHA
Will the Minister of POWER NON-CONVENTIONAL EN SOURCES be plaesed to state

(a) whether it is a fact that h a Dolphin Helicopter of Pawan to travel from Delhi to Farak Calcutta, recently;

(b) if so, what ore the deta cluding that of the cost and tim

(c) what are the reasons f using regular Indian Airlines fir Delhi-Calcutta route?

THE MINISTER OF STATE DEPENDENT (CHARGE) O MINISTRY OF POWER AND CONVENTIONAL ENERGY S CES (SHRI KALP NATH RAI to (c) The Minister of Sta Power and Non-C tional Energy Sources the Farakka Super Thermal Project of National Thermal Corporation on 16th and 17th A 1991 to review the performa operating units and progress of ruction of Stage-II of the P During the visit, regular India lines flight was used for trave Delhi to Calcutta and back travel from Calcutta to Farak back the Dolphin Helicopter Pawan Hans Ltd., on lease NTPC, was used. Travel of ter's team on Calcutta-Farakk back involved a flying tim 2 hours and 20 minutes with t ing charges of Rs. 49,149/-.